[श्री कल्पनाथ राय]

हो गया है । इसके साथ-साथ जो लोग कोयले में रोटी पकाते हैं या घरों में काम करते हैं उनके सामने भी एक गम्भीर संकट उत्पन्न हो गया है । यह कहा जाता है कि रेलवे मिनिस्ट्री में और एनर्जी मिनिस्ट्री में कोआर्डिनेशन न होने के कारण इस प्रकार का संकट उत्पन्न हो गया है । कोयले की सप्लाई के संबंध में अखबारों में अनेक प्रकार की रिपोर्टस आई हैं जिनमें यह कहा गया है कि धनबाद में जहां पर 7 हजार वेगन्स मिलने चाहिए थे वहां केवल 3 हजार वेगन्स ही कोयले के लिए मिले हैं । इस तरह से रेलवे मिनिस्ट्री की गड़बड़ी के कारण वैगन्स न मिलने से और जहां पर कोयले की खदाई होती है वहां पर हड़ताल के कारण या रेलवे और मजदूरों में अशांति के कारण कोयले का उत्पादन नहीं हो पा रहा है । उपसभापति महोदय, थरमल पावर स्टेशन, दिल्ली के जो दो थरमल पावर स्टेशन हैं, जिनके कारण बिजली पैदा होती है, बिजली से हमारे उद्योग धन्धे चलते हैं वहां कोयले की सप्लाई न होने के कारण एक बड़ा संकट उपस्थित हो गया है । बिजली की सप्लाई भी ठीक ढंग से नहीं हो पा रही है । तो एक तरफ हमारे थरमल पावर स्टेशन को कोयले की सप्लाई नहीं मिल रही है है तो दूसरी तरफ फर्टिलाइजर फैक्टरियां जो कि हमारे क्षेत्रों के लिये उर्वरक पैदा करती हैं उनको भी कोयला नहीं मिल रहा है । तो कोयले के इस गम्भीर संकट को मद्दे नजर रखते हुए इनर्जी मंत्रालय और ऊर्जा मंत्री का इस संकट को दूर करने के लिए पहल करनी चाहिए और रेलवे मिनिस्ट्री, ऊर्जा मंत्रालय और लेबर मिनिस्ट्री तीनों का कोआर्डिनेशन स्थापित होना चाहिए । जब तक इन तीनों मिनिस्ट्रीज का कोआर्डिनेशन नहीं होगा तब तक यह समस्या हल नहीं हो सकती । उपसभापति महोदय, यह भी कहा गया है कि हमारे देश के अन्दर हमारे देश की धरती के पेट में बहुत ज्यादा कोयला है इससे 100 वर्षों तक कोयले की कोई कमी नहीं पड़ सकती है । इसके बावजूद इस सरकार की अदूरदर्शी नीति के कारण हमें इसका इम्पोर्ट करना पड़ रहा है, इस सरकार ने कोयले की इम्पोर्ट करने का काम किया है और आस्ट्रेलिया से भारी मात्रा में 10 लाख टन, एक मिलियन टन कोयला अभी मंगाया है । इसके बावजूद हमारी स्टील फैक्टरीज में कोयला ठीक ढंग से नहीं मिल पा रहा है जिसके कारण स्टील के उत्पादन में भी कमी पड़ रही है । उपसभापति महोदय, धनबाद को जो कोलियरी है, जहां से कि काफी मात्रा में कोयला मिलता है वहां पर लेबर ट्रबल जबर्दस्त है । वहां पर जो लेबर यूनियन है वही कन्ट्रेक्टमें का काम करती है इसके परिणामस्वरूप धनबाद में करीब 300–400 लोगों का मरडर हुआ है और वहां पर इटक के एक बहुत बड़े नेता का कत्ल हुआ है । वहां पर अभी जनता पार्टी के सी० पी० सिन्हा का भी कत्ल हुआ है जो कि वहां के गांधी माने जाते थे । धनबाद में उनके मरने पर एक बड़ा जुलूस निकाला गया । इसके बाद सूरज देव सिंह जो कि जनता पार्टी के एम० एल० ए० हैं उनको बिहार की सरकार ने जेल में बंद किया है । उनके ऊपर 21 मरडर्स के इल्जाम हैं । प्रधान मंत्री के इंटरवेंशन पर सूरज देव सिंह को जेल में रखा गया है । उनसे मिलने के लिये बिहार के जेल मंत्री वहां गये । उपसभापति महोदय, धनबाद में नौ सौ, चार सौ मरडर्स हो चुके हैं । अभी एस० के० राय जो कि कम्युनिस्ट पार्टी के लीडर थे उन पर घातक हमला हुआ और तीन आदमियों का कत्ल हुआ । जो वहां के इटक के लीडर हैं उनको जान बचाने की दृष्टि से वहां

से निकाल दिया गया है । धनबाद में इतनी गहरी ला एंड आर्डर की स्थिति खराब हो गई और इससे वहां के मजदूरों में एक भय का वातावरण व्याप्त है और भय के कारण धनबाद कोयलरी के मजदूर वहां से भाग गये हैं । वहां की यूनियनों में आपस में प्रतिस्पर्धा है और वही यूनियनें कान्ट्रेक्टर का काम करती हैं जिसके कारण वहां पर कत्ल का बाजार गर्म है और तीन-चार सौ कत्ल धनबाद के अन्दर हुए हैं । उपसभापति महोदय, दो वर्षों के अन्दर एक तो लेबर संकट, मजदूर ठीकढंग से काम नहीं कर रहे हैं क्योंकि वहां का वातावरण अच्छा नहीं है और वातावरण ठीक न होने के कारण हजारों हजार मजदूर खदानों को छोड़कर भाग गये हैं । दूसरी तरफ रेलवे मंत्रालय की तरफ से वैगन की सप्लाई ठीक ढंग से न होने के कारण कोयले की लदाई नहीं हो पा रही है । उपसभापति महोदय लेबर ट्रबल और रेलवे मंत्रालय की अकर्मण्यता के कारण कोयले की सप्लाई थरमल पावर स्टेशंस को नहीं हो पा रही है, फर्टिलाइजर प्लांटस को नहीं हो पा रही है, स्टील प्लाट्स को नहीं हो पा रही है जो कि हमारी इकानामी के सेक्टर है । इसके कारण हमारे देश में एक अभूतपूर्व संकट उपस्थित हो गया है । दूर की बात मैं नहीं करना चाहता खुद दिल्ली जो देश की राजधानी है यहां पर दो थर्मल पावर स्टेशनों में कोयले की कमी के कारण बिजली की उत्पत्ति नहीं हो रही है । जो लोग खाना पकाने में, रसोई में कोयले का इस्तेमाल करते हैं उनके लिए भी कोयले का उत्पादन नहीं हो रहा है। हमारे देश में कोयले का भयंकर संकट है । इसको दूर करने के लिए मैं प्रधान मंत्री जी से अपील करना चाहता हूं कि वे रेलवे मिनिस्ट्री, लेबर मिनिस्ट्री और एनर्जी मिनिस्ट्री में कोआर्डिनेशन स्थापित कर के देश के अन्दर की सेक्टर इंडस्ट्रीज को चलाने की कोशिश करें और इस तरह से कोयले के संकट को दूर करने की कोशिश करें । नहीं तो हमारे देश में बहुत बड़ी भयंकर स्थिति उत्पन्न हो जाएगी जिससे पार करना पाना बड़ा मुश्किल हो जाएगा । इसलिए मैं जनता सरकार से, जनता सरकार के मंत्री से और प्रधान मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि कोयले के संकट को दूर करने के लिए ठोस और समयबद्ध कदम उठायें ताकि इस संकट से देश की जनता को उबारा जा सके और को सेक्टर इंडस्ट्रीज को भी बचाया जा सके ।

REFERENCE TO THE ALLEGED POLITICS IN SPORTS

SHRI V. GOPALSAMY (Tamil Nadu): Mr. Deputy Chairman, Sir, 1 thank you for giving me this opportunity. I would like to bring to the notice of this House and the Government a matter of special importance, a matter of pride and prestige for oui country. India, a vast country of 63(million people, has not been able t(get a single gold medal in the las Olympics held at Montreal while countries minuscule in size and population like Cuba, Finland and Nev Zealand have won many gold medals

In Hockey we failed miserablj Some fifty years ago, in the year 192: India took the world by storn making a brilliant debut in th Olympics at Amsterdam. Since the: India was the unconquerabl monarch of the Hockey world unt 1960 when we were defeated by Pakisan in the Rome Olympics. Thoug we regained our Title in Tokyo Olyrr pics and saved the honours at Kui lalumpur Asian games we have bee humbled and badly defeated in a the other internatonal competitions.

Sir, there were times when peop in the Western countries thought th our players had some magic wi their hockey-sticks in the groui Gone are the glorious days, the vl